By :-
Dr. Shailesh Kumar
dept. of economics
raja Singh college Siwan.

B.A I Hons
Paper Ist

व्यष्टि अर्थशास्त्र और ~~समष्टि~~ समष्टि अर्थशास्त्र में भेद :-
(distinction between micro economics & macro economics)

२७.४.२०

"व्यष्टि" शब्द ग्रीक शब्द 'माइक्रो' से व्युत्पन्न किया गया है जिसका अर्थ है 'छोटा'। व्यष्टि अर्थशास्त्र व्यक्तियों और व्यक्तियों के छोटे समूहों का अध्ययन करता है। यह विशेष परिवारों, विशेष फर्मों, विशेष उद्योगों, विशेष वस्तुओं और व्यक्तिगत कीमतों का अध्ययन करता है।

समष्टि शब्द भी एक ग्रीक शब्द ही है जिसका अर्थ है 'बड़ा'। यह इन मात्राओं के समूहों से संबंधित है न कि व्यक्तिगत आय बल्कि राष्ट्रीय आय से, व्यक्तिगत कीमतों से नहीं बल्कि सामान्य कीमत स्तरों से, व्यक्तिगत उत्पादन से नहीं बल्कि ~~राष्ट्रीय~~ राष्ट्रीय उत्पादन से।

व्यष्टि अर्थशास्त्र का माँग की उद्देश्य उपयोगिता को अधिकतम करना है जबकि पूर्ति की ओर न्यूनतम लागत पर लाभों को अधिकतम करना है। दूसरी ओर, समष्टि अर्थशास्त्र के आधार ~~राष्ट्रीय आय~~ पूर्ण रोजगार, कीमत स्थिरता, आर्थिक वृद्धि और अनुकूल भुगतान संतुलन हैं।

व्यष्टि अर्थशास्त्र का आधार कीमत तंत्र है जो माँग और पूर्ति की शक्तियों की सहायता से कार्य करता है। ये शक्तियाँ मार्केट में संतुलन की ~~कीमत~~ कीमत स्तर हैं जो कुल माँग और कुल पूर्ति द्वारा निर्धारित होते हैं।

व्यष्टि अर्थशास्त्र कुछ मान्यताओं पर—

P.T.O

Scanned by CamScanner

आधारित है जिनका संबंध व्यक्तियों के विवेकी व्यवहार से है, फिर इसमें 'अन्य बातें समान रहें' का प्रयोग विभिन्न आर्थिक नियमों की व्याख्या करने के लिए किया जाता है। दूसरी ओर समष्टि अर्थशास्त्र की मान्यताएं अर्थव्यवस्था के उत्पादन की कुल मात्रा, किस सीमा तक इसके संसाधन नियोजित हैं, राष्ट्रीय आय का आकार और सामान्य कीमत स्तर जैसे चरों पर आधारित हैं।

व्यष्टि अर्थशास्त्र आंशिक संतुलन विश्लेषण पर आधारित है जो एक व्यक्ति, एक फर्म एक उद्योग और एक साधन की संतुलन शर्तों की व्याख्या करने में सहायक होता है। दूसरी ओर समष्टि अर्थशास्त्र सामान्य संतुलन विश्लेषण पर आधारित है। जो एक आर्थिक प्रणाली के कार्यकरण को समझने के लिए अनेक आर्थिक चरों और उनके परस्पर निर्भरताओं का विस्तृत अध्ययन करता है।

व्यष्टि अर्थशास्त्र में संतुलन शर्तों का अध्ययन एक विशेष अवधि में किया जाता है यह समय तत्व की व्याख्या नहीं करता है। इसलिए व्यष्टि अर्थशास्त्र स्थैतिक विश्लेषण है। दूसरी ओर समष्टि अर्थशास्त्र समय पश्चताओं, (time lags) परिवर्तन की दरों और चरों के विगत एवं प्रत्याशित मूल्यों पर आधारित है। इस प्रकार यह गत्यात्मक विश्लेषण से संबंधित है।

व्यष्टि अर्थशास्त्र विस्तृत रेंज की स्थितियों, समस्याओं वस्तुओं व्यक्तियों और संगठन की किस्मों पर [illegible] अधिकतम सामान्यतया और व्यवहार्यता से युक्त है। यह धारणाओं और प्रणाली विश्लेषण पर बल देता है। जिसका समस्या हल करने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसकी तुलना में समष्टि अर्थशास्त्र की एक अर्थव्यवस्था के व्यवहारिक स्वरूप का पता लगता है जिसमें समष्टि आर्थिक समस्याएं अपेक्षतया कम है और इसी प्रकार उनके विशेष हल भी।

व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र दोनों

P.T.O

Scanned by CamScanner

में समूहों (aggregates) का अध्ययन शामिल है। परन्तु व्यष्टि अर्थशास्त्र में समूह समष्टि अर्थशास्त्र में समूहों से भिन्न है। व्यष्टि अर्थशास्त्र में, व्यक्तिगत परिवारों, व्यक्तिगत फर्मों और व्यक्तिगत उद्योगों के एक दूसरे के साथ परस्पर संबंध समूहन के साथ संबंध रखते हैं। "उदाहरण के तौर पर, उद्योग की धारणा अनेक फर्मों या वस्तुओं का जोड़ करती है।

Scanned by CamScanner